EQUIFAX®

sidbi

# माइक्रोफाइनान्स पल्स

VOL XII– मई 2022

# विश्लेषणात्मक संपर्क


इक्विफैक्स

किरण समुद्रला वी पी -
विश्लेषण –
**kiran.samudrala@equifax.com**

श्रुति जोशी , वी पी - विश्लेषण
**shruti.joshi@equifax.com**

वंदना पांचाल एसोसिएट प्रबन्धक
**vandana.panchal@equifax.com**

सिडबी

संजय जैन
महाप्रबंधक
ईआरडीए
**erdav@sidbi.in**

रमेश कुमार,
प्रबन्धक
एमपीआईवी-
ईआरडीए
**rameshk@sidbi.in**

# विषय


| | |
|---|---|
| कार्यपालक सारांश | 04 |
| संक्षेपाक्षर एवं शब्दावली | 05 |
| माइक्रोफाइनान्स उद्योग पर्यावलोकन | 06 |
| संवितरण प्रवृत्ति | 09 |
| उद्योग जोखिम प्रोफाइल | 12 |
| भौगोलिक विस्तार | 14 |
| समग्र राज्य प्रोफाइल -राजस्थान : | 17 |
| आकांक्षी जिले | 22 |
| ग्राहक स्तर विश्लेषण | 24 |

# कार्यपालक सारांश

एमएफआई पल्स रिपोर्ट का 12 वां संस्करण दिसंबर 2021 तक की अवधि के लिए प्रस्तुत किए गए आंकडें और इस अवधि में माइक्रोफाइनेंस उद्योग में विकास का स्नैपशॉट प्रस्तुत करता है।

31 दिसंबर की स्थिति के अनुसार 9.6 करोड़ सक्रिय ऋणों का बकाया संविभाग 2,36,178 करोड़ रुपये है। अक्तूबर नवंबर दिसंबर 21 में 66,849 करोड़ रुपये के ऋण संवितरित किए गए। एनबीएफसी का औसत टिकट आकार सबसे अधिक है, यह उद्योग के टिकट आकार से अधिक है। उद्योग के बकाया संविभाग में दिसंबर 2020 से दिसंबर 2021 तक 3% की वार्षिक वृद्धि देखी गई और सितंबर 2021 से दिसंबर 2021 तक तिमाही दर तिमाही में 4% की वृद्धि देखी गयी। एनबीएफसी-एमएफआई के बाद बैंकों का संविभाग बकाया में सबसे अधिक योगदान है।

अक्तूबर नवंबर दिसंबर '20 की तुलना में अक्तूबर नवंबर दिसंबर ' 21 में संवितरण राशि में 7% की वृद्धि हुई। सभी तिमाहियों में सबसे अधिक ऋण संवितरण, बैंकों द्वारा किया जाता है जिसके बाद एनबीएफसी-एमएफआई द्वारा किया जाता है। 30हजार और उससे ऊपर के टिकट आकार श्रेणी में वर्ष दर वर्ष सकारात्मक वृद्धि देखी गई। 55% से अधिक ऋण 20हजार से 50हजार टिकट आकार श्रेणी के तहत संवितरित किए जाते हैं। औसत टिकट का आकार अक्तूबर नवंबर दिसंबर '20 की तुलना में अक्तूबर नवंबर दिसंबर ' 21 में 23% तक बढ़ गया।

1-179 दिनों की देयता में अपचारिता सितंबर 2021 में 18.77% की तुलना में दिसंबर 2021 में घटकर 13.80% हो गयी है। 60-179 दिनों की देयता में अपचारिता सितंबर 2021 की तुलना में दिसंबर 2021 में बढ़ गयी है।
यथा 31 दिसंबर 2021 तक, शीर्ष 10 राज्यों ने संविभाग बकाया में 82% का योगदान दिया। तमिलनाडु 30,562 करोड़ रुपये के संविभाग बकाया के साथ एमएफआई उद्योग का नेतृत्व कर रहा है। 31 दिसंबर 2021 तक, तमिलनाडु, बिहार, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश बकाया संविभाग द्वारा शीर्ष 5 राज्य हैं। पश्चिम बंगाल का 90+ अपचारिता उद्योग अपचारिता की तुलना में अधिक है।

इस संस्करण में राजस्थान को व्यापक राज्य प्रालेख के रूप में शामिल किया गया है। 31 दिसंबर 2021 को राजस्थान का संविभाग बकाया 10,812 करोड़ रुपये है। अक्तूबर नवंबर दिसंबर के दौरान राजस्थान में 2,903 करोड़ रुपये के ऋण संवितरित किए गए। एनबीएफसी का औसत टिकट आकार सभी ऋणदाताओं में सबसे अधिक है। अलाभ वाली कंपनी का 90+ अपचारिता राजस्थान के ऋणदाताओं में सबसे कम है।

एमएफआई पल्स रिपोर्ट के 12 वें संस्करण में हमने यथा 31 दिसंबर 2021 तक ग्राहक स्तर के विश्लेषण को कवर किया है। 70% से अधिक ग्राहकों के पास केवल 1 बकाया ऋण है। अलाभ वाली एमएफआई के पास 2 बकाया ऋणों के साथ अधिकतम ग्राहक हैं।

# संक्षेपाक्षर एवं शब्दावली

- औसत टिकट आकार **ATS** = संवितरित राशि / ऋणों की संख्या
- डीपीडी **DPD** = दिनों में चूक अवधि
- सक्रिय बकाया संविभाग या उधारकर्ताओं या सक्रिय ऋण = 0 से 179 दिनों में चूक अवधि + नया खाता + चालू खाते
- एमएफआई **MFI** = माइक्रोफाइनान्स संस्था
- पी ओ एस **POS** = बकाया संविभाग
- यू टी **UT** = संघ शासित

आकांक्षी जिले **(AD)** - नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा जनवरी 2018 में मानव विकास सूचकांक को बढ़ाने के लिए सुधार के लिए, स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे जैसे समग्र संकेतकों के आधार पर चिन्हित किए गए आकांक्षी जिले ( वर्तमान में 117 हैं)।

- **1-179 = 1** से **179** दिनों की चूक अवधि / सक्रिय बकाया संविभाग
- **1-29 = 1** से **29** दिनों की चूक अवधि / सक्रिय बकाया संविभाग
- **30-59 = 30** से **to 59** दिनों की चूक अवधि / सक्रिय बकाया संविभाग
- **60-89 = 60** से **to 89** दिनों की चूक अवधि / सक्रिय बकाया संविभाग
- **90-179 = 90** से **179** दिनों की चूक अवधि / सक्रिय बकाया संविभाग
- **30+** अपचारिता **= 30-** से **179** दिनों की चूक अवधि / सक्रिय बकाया संविभाग
- **90+** अपचारिता **= 90-** से **179** दिनों की चूक अवधि / सक्रिय बकाया संविभाग

- **OND '20 =** अक्तूबर नवंबर दिसंबर **'20**
- **JAM'21 =** जनवरी ,फरवरी मार्च **'21**

- **AMJ'21 =** अप्रैल मई जून 21
- **JAS'21 =** जुलाई अगस्त सितंबर 21
- **OND'21 =** अक्तूबर नवंबर दिसंबर 21

EQUIFAX®

sidbi

# माइक्रोफाइनान्स उद्योग पर्यावलोकन

# माइक्रोफाइनांस उद्योग स्नैपशॉट
## –यथा 31 दिसंबर 2021

| यथा 31 दिसंबर 2021 को स्नैप शाट | बैंक | SFBs | एनबीएएफसी | एनबीएए | अलाभ वाली एमेफ आई | Total Industry |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अनोखा सक्रिय उधारकर्ता ('000) | 25,532 | 12,677 | 26,892 | 5,997 | 834 | 71,932 |
| सक्रिय ऋण ('000) | 36,177 | 15,591 | 36,395 | 6,505 | 1,102 | 95,770 |
| संविभाग (`crore) | 93,841 | 39,675 | 84,065 | 16,337 | 2,260 | 236,178 |
| संवितरित राशि (`crore) - OND' 21 | 26,487 | 11,957 | 23,105 | 4,407 | 893 | 66,849 |
| औसत टिकट आकार Average Ticket Size (`) - OND' 21 | 41,760 | 41,177 | 36,095 | 44,284 | 31,268 | 39,489 |
| 30+ अपचारिता Delinquency (POS) | 12.00% | 8.45% | 6.23% | 5.21% | 1.30% | 8.78% |
| 90+ अपचारिता (POS) | 5.19% | 2.91% | 2.14% | 1.78% | 0.65% | 3.44% |

अनोखा सक्रिय उधारकर्ता
**Active Loans ('000)**

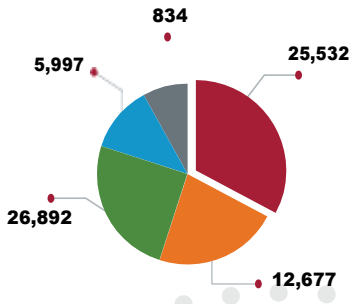


सक्रिय ऋण **Active loans (`crore)**

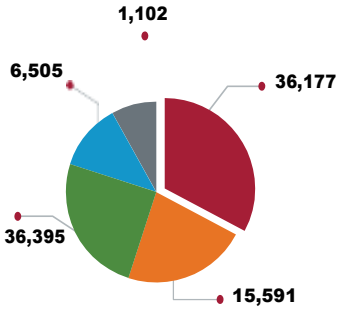


संविभाग

Portfolio (

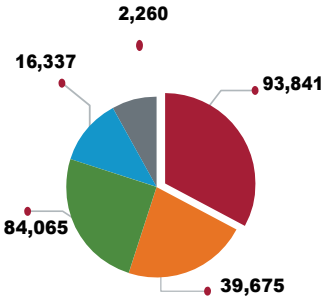


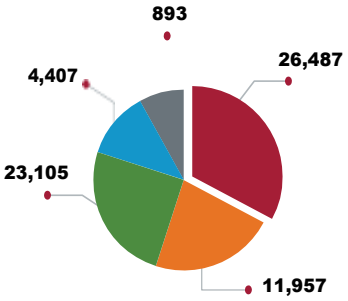


**Banks** **SFBs** **NBFC-MFIs** **NBFCs** **Not for Profit MFIs**

- 31 दिसंबर 2021 तक बकाया संविभाग 9.6 करोड़ सक्रिय ऋणों की तुलना में 2,36,178 करोड़ रुपये है।
- अक्तूबर नवंबर दिसंबर 21 के लिए संवितरण राशि 66,849 करोड़ रुपये है।
- एन बी एफ सी का औसत टिकट आकार सबसे अधिक है, यह अक्तूबर नवंबर दिसंबर 21 के लिए उद्योग टिकट आकार से अधिक है।
- उद्योग अपचारिता की तुलना में बैंकों का 30+ अपचारिता और 90+ अपचारिता अधिक है ।

# माइक्रोफाइनान्स उद्योग पर्यावलोकन

बकाया संविभाग (` करोड़)

| विवरण | दिस20 | मार्च21 | जून 21 | सि21 | दि21 |
|---|---|---|---|---|---|
| बैंक | 96,683 | 109,867 | 95,674 | 92,725 | 93,841 |
| सूक्ष्म वित बैंक | 38,109 | 38,903 | 35,345 | 36,863 | 39,675 |
| एनबीएफ़सी एमएफआई | 73,166 | 79,420 | 72,856 | 79,932 | 84,065 |
| एनबीएफ़सी | 18,988 | 18,992 | 16,140 | 14,621 | 16,337 |
| अलाभ वाली एमएफआई | 1,872 | 2,095 | 2,045 | 1,982 | 2,260 |
| कुल उद्योग | 228,818 | 249,277 | 222,060 | 226,123 | 236,178 |
| तिमाही दर तिमाही वृद्धि दर % | 0% | 9% | -11% | 2% | 4% |

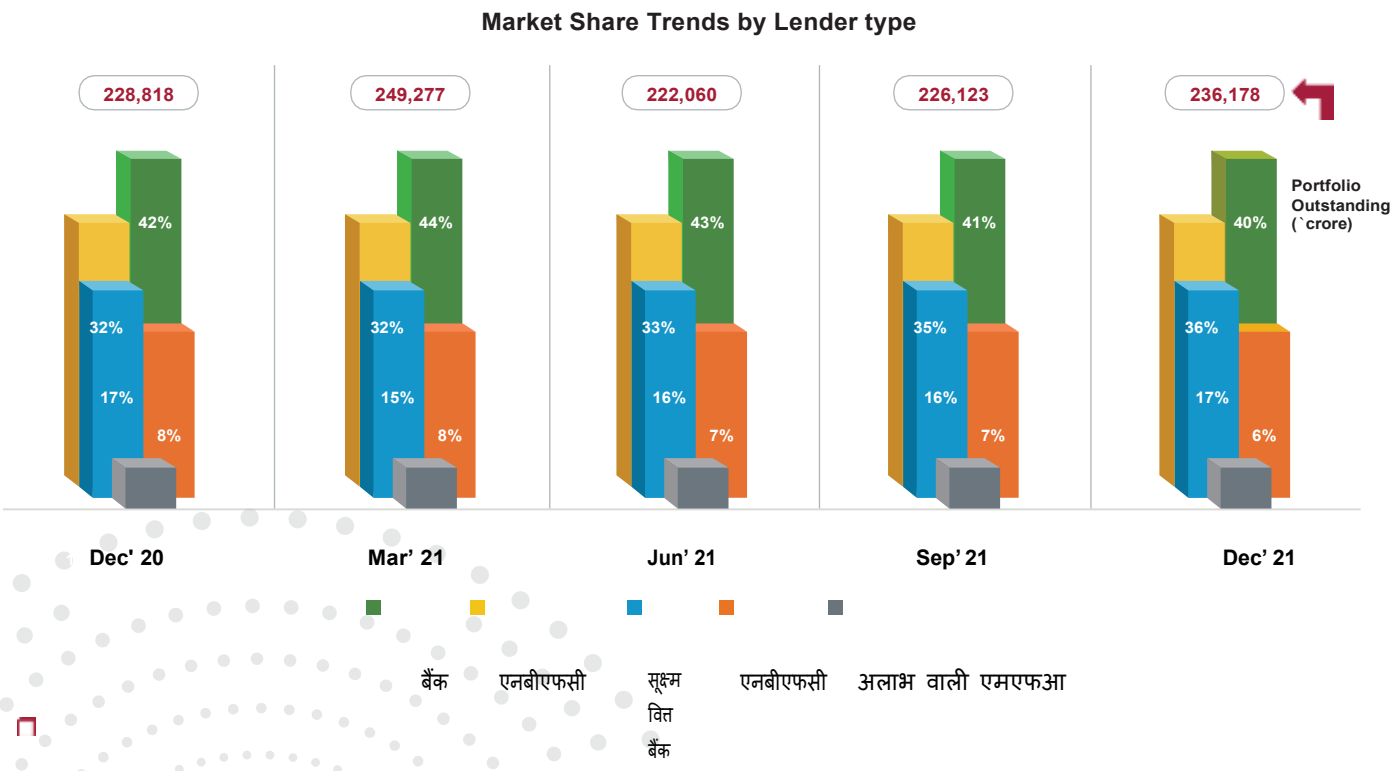


- एमएफआई उद्योग ने सितंबर 2021 से दिसंबर 2021 में 4% की तिमाही दर तिमाही वृद्धि देखी।
- एमएफआई उद्योग ने दिसंबर 2020 से दिसंबर तक 3% की तिमाही दर तिमाही वृद्धि देखी।

एनबीएफसी-एमएफआई के बाद बैंक बकाया संविभाग में सबसे अधिक योगदान करते हैं ।

# संवितरण प्रवृत्ति

# संवितरण प्रवृत्ति संस्थावार

संवितरित ऋणों की संख्या (लाख में)

| Lender type | OND '20 | JFM'21 | AMJ '21 | JAS '21 | OND '21 |
|---|---|---|---|---|---|
| बैंक | 100 | 111 | 41 | 77 | 63 |
| सूक्ष्म वित्त बैंक | 21 | 32 | 9 | 36 | 29 |
| एनबीएफसी | 65 | 77 | 19 | 69 | 64 |
| एम एफआई एनबीएफसी | 7 | 11 | 3 | 8 | 10 |
| अलाभ वाली एफआई | 2 | 3 | 1 | 2 | 3 |
| **Total Industry** | 195 | 234 | 73 | 192 | 169 |

ऋणदाता प्रकार के अनुसार बाजार हिस्सेदारी की प्रवृत्तियाँ

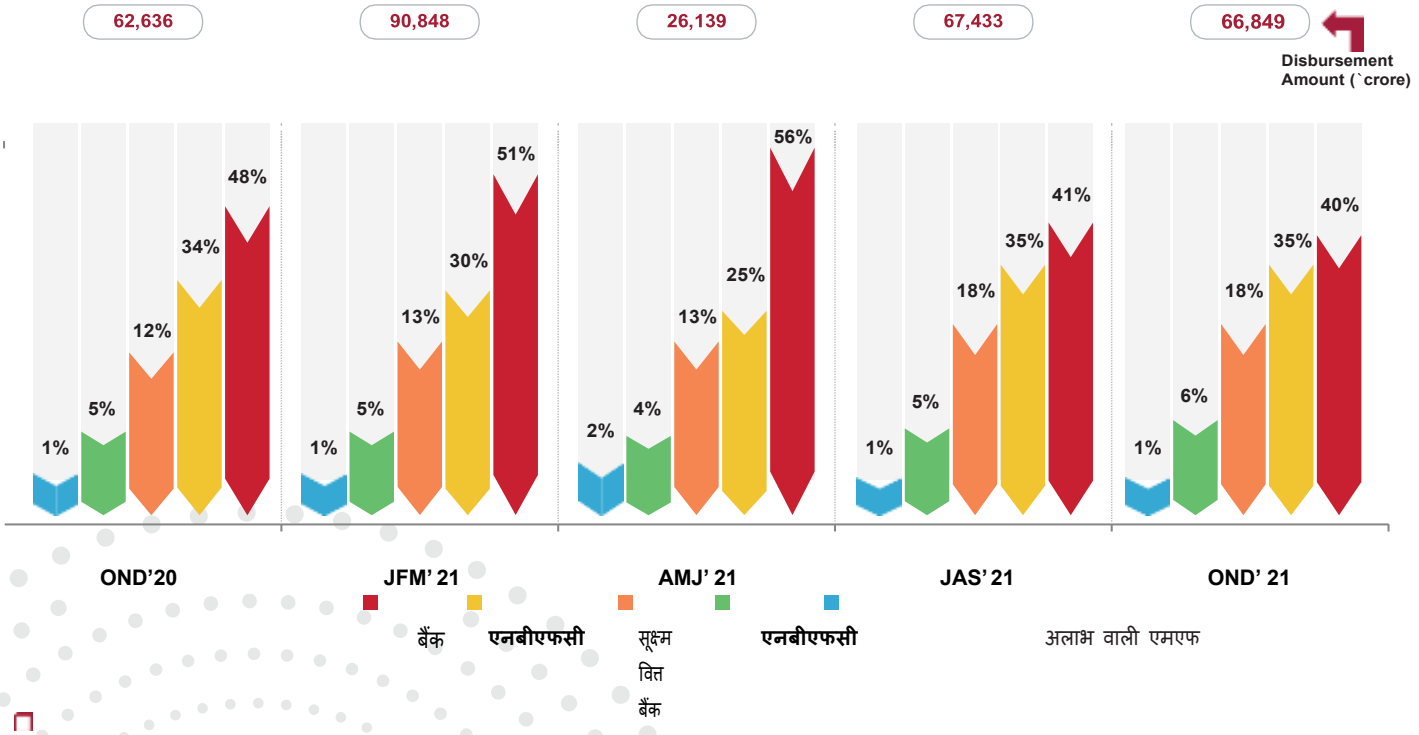


- अक्तूबर नवंबर दिसंबर 21 के दौरान वितरित ऋण की संख्या अक्तूबर नवंबर दिसंबर '20 की तुलना में 13% कम हो गई, हालांकि, इसी अवधि के दौरान संवितरण राशि में 7% की वृद्धि हुई।
- सभी तिमाहियों में सबसे अधिक ऋण वितरण बैंकों द्वारा और इसके बाद एनबीएफसी-एमएफआई द्वारा किया जाता है
- एनबीएफसी और अलाभ वाली एमएफआई में जुलाई अगस्त सितंबर 21 से अक्तूबर नवंबर दिसंबर 21 तक ऋण वितरण के संदर्भ में सकारात्मक वृद्धि देखी गयी।

# उद्योग टिकट आकार की प्रवृत्तियाँ

संवितरित ऋणों की संख्या

| टिकट आकार | OND' 20 | JFM' 21 | AMJ' 21 | JAS' 21 | OND' 21 | Y-o-Y growth rate % |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 0K-10K | 35 | 19 | 8 | 18 | 10 | -71% |
| 10K-20K | 20 | 18 | 7 | 20 | 12 | -40% |
| 20K-30K | 32 | 40 | 12 | 34 | 24 | -25% |
| 30K-40K | 43 | 58 | 16 | 47 | 46 | 7% |
| 40K-50K | 29 | 38 | 11 | 29 | 29 | 0% |
| 50K-60K | 18 | 28 | 9 | 25 | 23 | 28% |
| 60K Plus | 18 | 33 | 9 | 19 | 25 | 39% |
| कुल | 195 | 234 | 73 | 192 | 169 | -13% |
| तिमाही दर तिमाही ऋण वितरण वृद्धि दर % | - | 20% | -69% | 163% | -12% | - |
| अखिल भारतीय औसत टिकट आकार (`) | 32,109 | 38,789 | 35,793 | 35,110 | 39,489 | - |
| तिमाही दर तिमाही औसत टिकट आकार वृद्धि दर % | - | 21% | -8% | -2% | 12% | - |

संवितरित ऋणों की संख्या (लाख में)

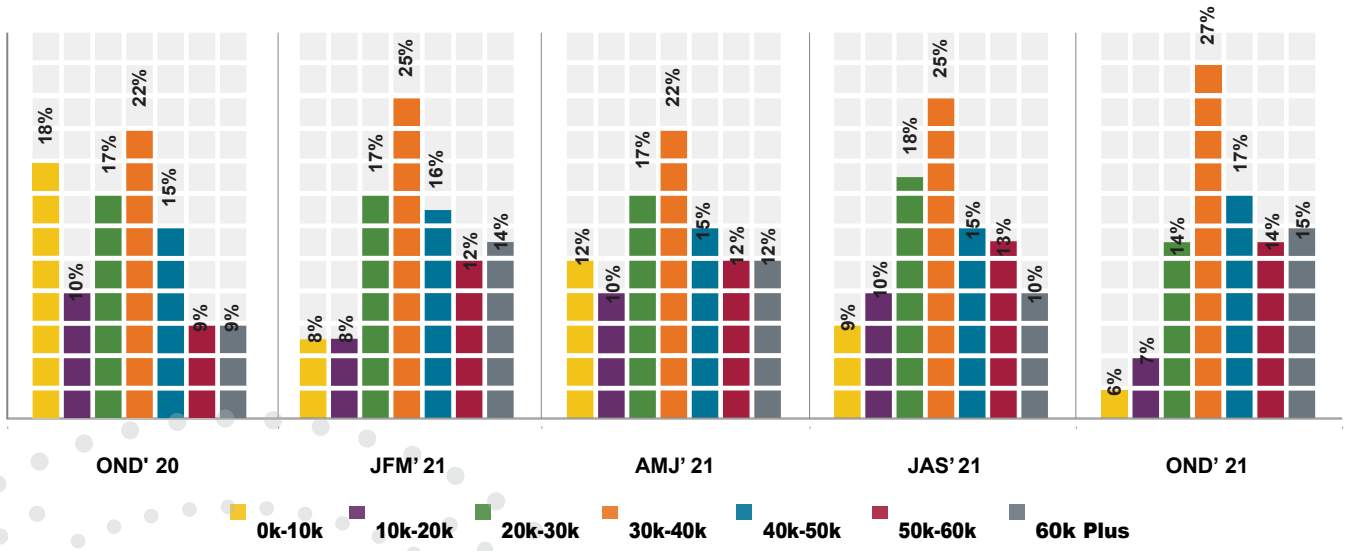


- 50 हजारऔर उससे अधिक टिकट आकार श्रेणी में 25% से अधिक वर्ष -दर -वर्ष वृद्धि देखी गई।
- 55% से अधिक ऋण 20हजार - 50हजार टिकट आकार के तहत वितरित किए जाते हैं।
- अक्तूबर नवंबर दिसंबर '20 की तुलना से अक्तूबर नवंबर दिसंबर '21 में औसत टिकट आकार में 23% की वृद्धि हुई।

EQUIFAX®

sidbi

# उद्योग जोखिम प्रोफाइल

# अपचारिता प्रवृत्तियाँ

दिनों की चुकौती में विफलता के स्वरूप अपचारिता

| रिपोर्टिंग तिमाही | 1-29 दिनों की चकौती वि | फलता days past due | 30-59 days past due | 60-89 days past due | 90-179 days past due |
|---|---|---|---|---|---|
| Dec' 20 | 7.50% | 4.73% | 3.49% | 4.96% | 20.68% |
| Mar' 21 | 4.55% | 2.90% | 2.01% | 4.12% | 13.58% |
| Jun' 21 | 14.90% | 10.14% | 3.38% | 3.01% | 31.43% |
| Sep' 21 | 8.64% | 5.44% | 1.74% | 2.95% | 18.77% |
| Dec' 21 | 5.03% | 3.19% | 2.14% | 3.44% | 13.80% |

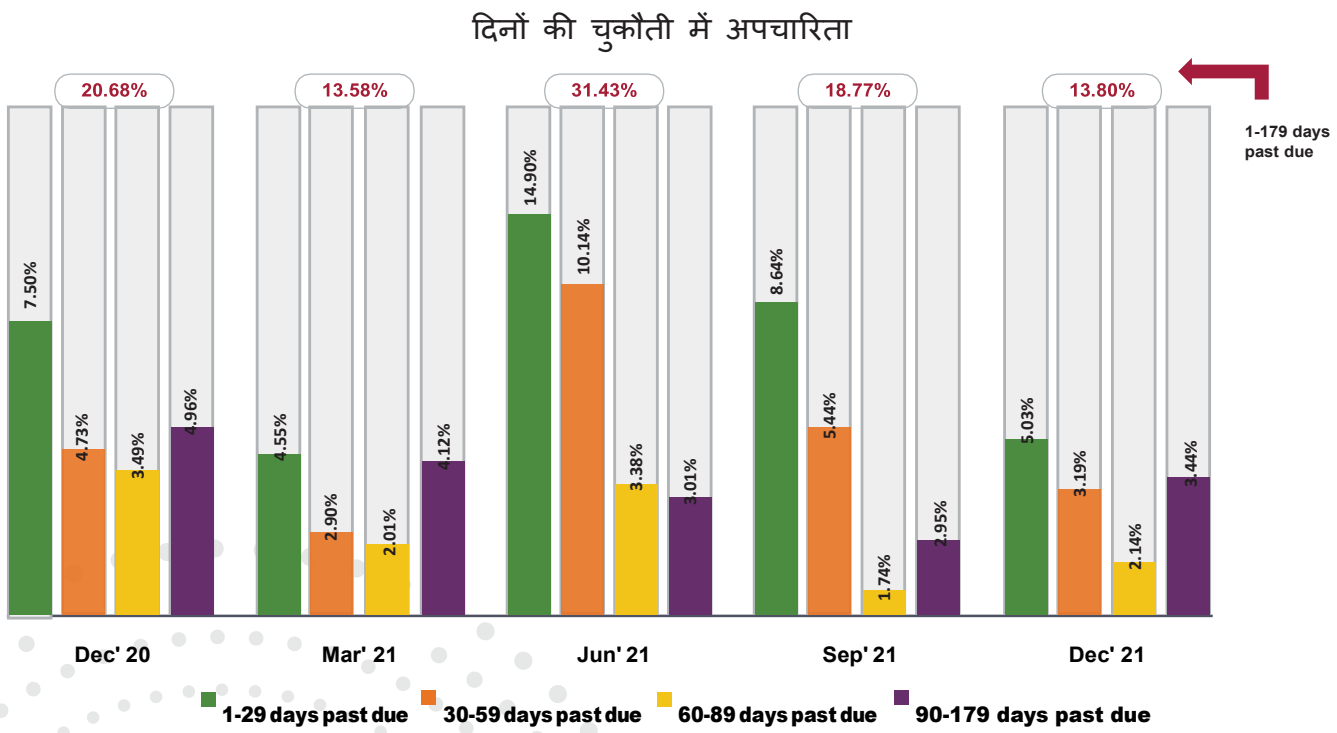


1-179 दिनों की चूक में विफलता संबंधी अपचारिता सितंबर 2021 में 18.77% से दिसंबर 2021 में घटकर 13.80% हो गयी है ।

60 -179 दिनों की चूक में विफलता संबंधी अपचारिता सितंबर 2021 से दिसंबर 2021 में बढ़ गई ।

# भौगोलिक सीमा

# GEOGRAPHICAL EXPOSURE

**यथा 31 दिसंबर 2021 को राज्य/केंद्र शासित प्रदेशवार संविभाग बकाया**

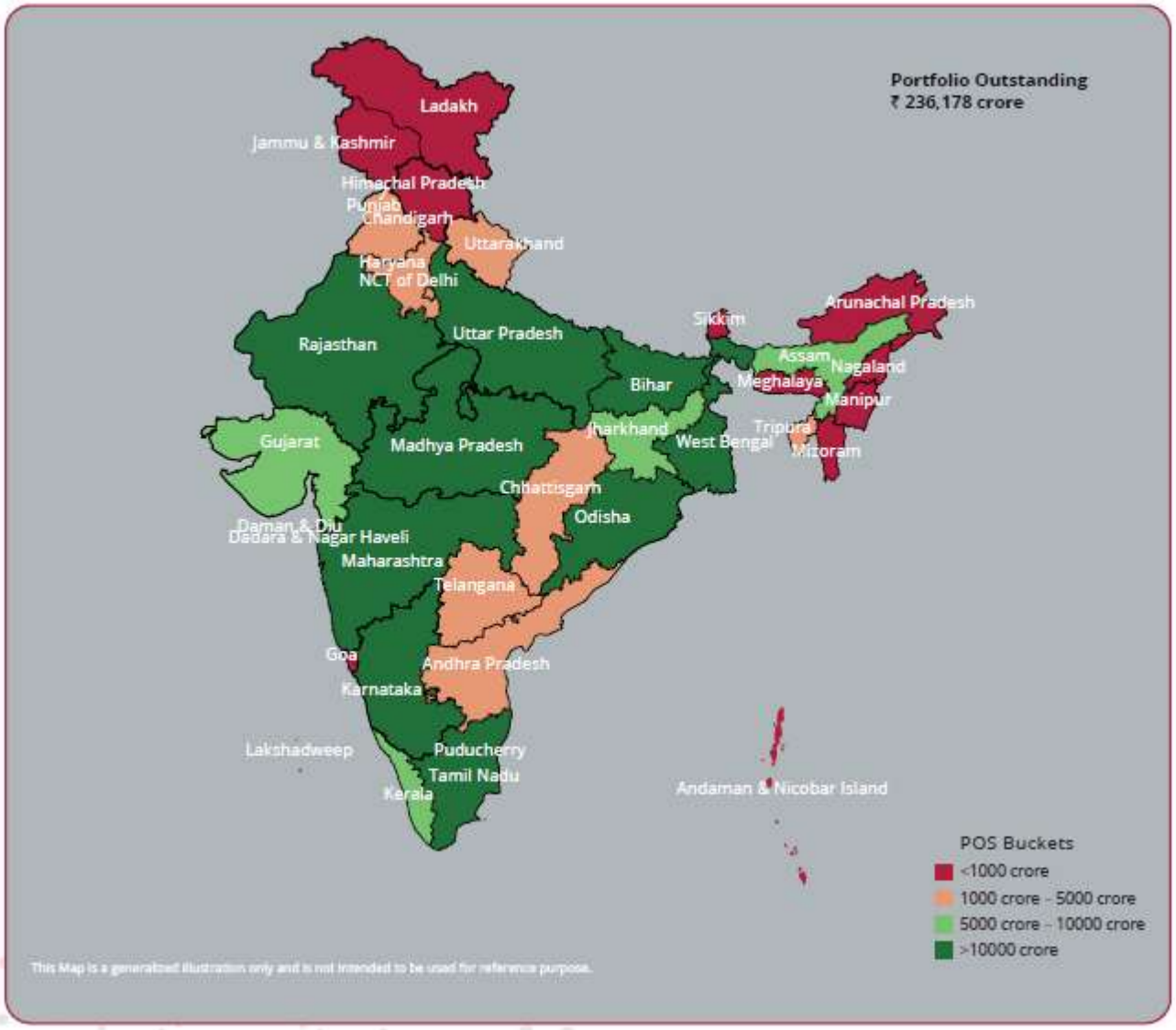


- 31 दिसंबर 2021 तक, शीर्ष 10 राज्यों ने संविभाग बकाया के लिए 82% का योगदान दिया है ।
- तमिलनाडु 30,652 करोड़ रुपये के संविभाग बकाया के साथ एमएफआई उद्योग का नेतृत्व कर रहा है।
- 31 दिसंबर 2021 तक तमिलनाडु, बिहार, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश शीर्ष 5 राज्य हैं ।

## 31 दिसंबर 2021 को राज्य/केंद्र शासित प्रदेशवार 90+अपचारिता

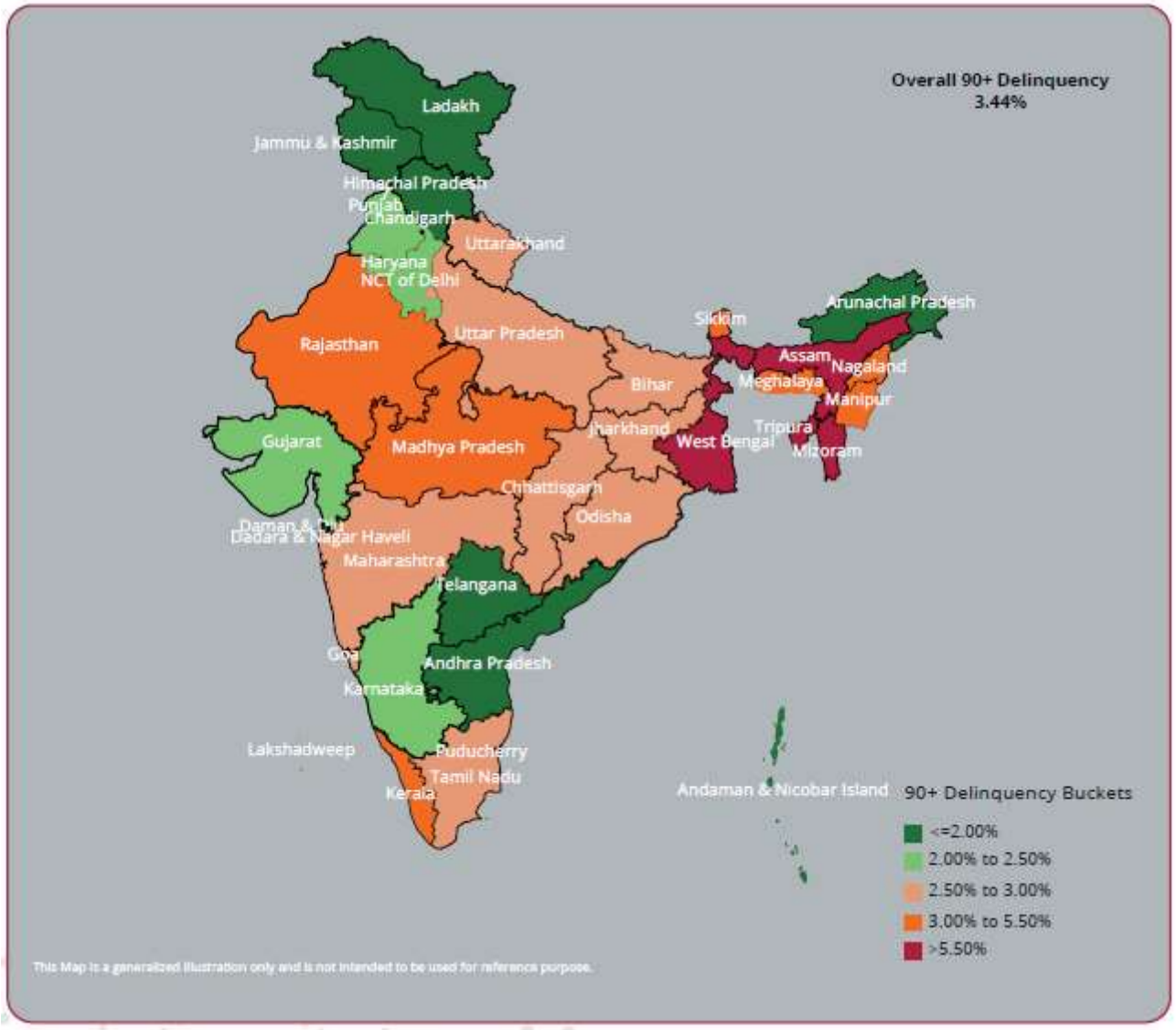


5 राज्यों का 90+ अपचारिता इस प्रकार है:

| Tamil Nadu | Bihar | West Bengal | Karnataka | Uttar Pradesh |
|---|---|---|---|---|
| 2.54% | 2.71% | 7.88% | 2.01% | 2.01% |

उद्योग अपचारिता 3.44% की तुलना में पश्चिम बंगाल का 90+ अपचारिता अधिक है।



Note: **Delinquencies calculated basis POS.**

EQUIFAX®

sidbi

# समग्र राज्य प्रोफाइल : राजस्थान

# राजस्थान: राज्य परिदृश्य

| Rajasthan view as on 31st December 2021 | Banks | SFBs | NBFC-MFIs | NBFCs | Not for Profit MFIs | Total Industry |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सक्रिय ऋण('000) | 2,107 | 556 | 1,738 | 193 | 9 | 4,603 |
| संविभाग (`करोड़) | 4,765 | 1,334 | 4,163 | 534 | 16 | 10,812 |
| संविभाग बकाया में बाजार हिस्सेदारी | 44% | 12% | 39% | 5% | 0% | - |
| संवितरित राशि (करोड़) अ न दि21 | 1,192 | 371 | 1,180 | 154 | 6 | 2,903 |
| औसत टिकट आकार (`) - अ न दि21 | 36,209 | 37,792 | 36,319 | 42,946 | 31,738 | 36,744 |
| 30+ अपचारिता (बकाया संविभाग ) | 9.73% | 6.61% | 6.83% | 7.07% | 3.85% | 8.09% |
| 90+ अपचारिता (बकाया संविभाग ) | 4.03% | 2.75% | 2.25% | 2.21% | 1.34% | 3.09% |

सक्रिय ऋण('000)

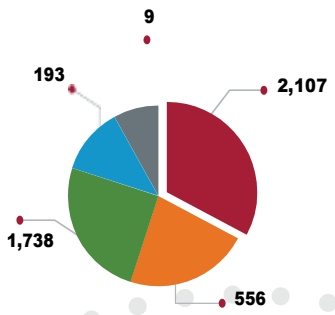


संविभाग (करोड़)

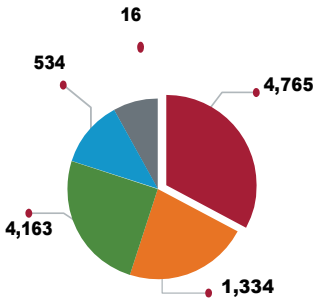


संवितरित राशि (`करोड़) –अ न दि' 21

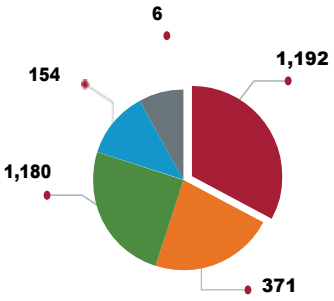

31 दिसंबर 2021 की स्थिति के अनुसार राजस्थान का संविभाग बकाया 10,812 करोड़ रुपये है

बकाया संविभाग के लिए उच्चतम योगदान बैंकों से है, इसके बाद एनबीएफसी एम एफ आई का स्थान है ।

अक्तूबर नवंबर दिसंबर 21 के दौरान राजस्थान में 2,903 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए थे।

एनबीएफसी का औसत टिकट आकार सभी ऋणदाताओं में सबसे अधिक है

राजस्थान में सभी उधारदाताओं में अलाभ वाली संस्था का 90+ अपचारिता सबसे कम है।

# राजस्थान -उद्योग ऋण आकारवार प्रवृत्तियाँ

संवितरित ऋणों की सं. (लाख में)

| ऋण आकार | OND'20 | JFM'21 | AMJ'21 | JAS'21 | OND'21 | वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर% |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 0K-10K | 88 | 93 | 37 | 94 | 59 | -33% |
| 10K-20K | 40 | 75 | 32 | 70 | 43 | 8% |
| 20K-30K | 168 | 224 | 59 | 164 | 107 | -36% |
| 30K-40K | 274 | 362 | 73 | 247 | 261 | -5% |
| 40K-50K | 137 | 211 | 49 | 158 | 145 | 6% |
| 50K-60K | 74 | 137 | 36 | 108 | 93 | 26% |
| 60K Plus | 80 | 135 | 38 | 79 | 82 | 2% |
| Total | 861 | 1,237 | 324 | 920 | 790 | -8% |
| Q-o-Q loan disbursal growth rate % | - | 44% | -74% | 184% | -14% | - |
| All India ATS (`) | 35,204 | 37,419 | 35,797 | 34,942 | 36,744 | - |
| Q-o-Q ATS growth rate % | - | 6% | -4% | -2% | 5% | - |

संवितरित ऋणों की सं. (लाख में)

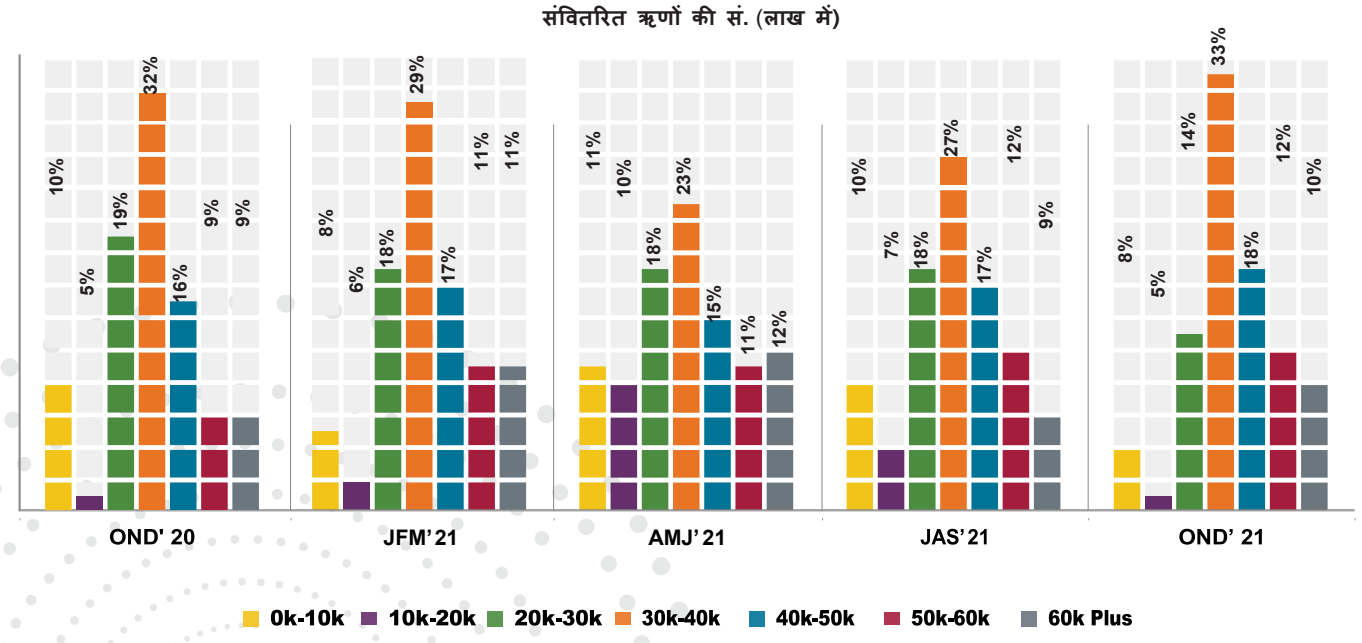


- राजस्थान में वितरित किए गए ऋणों की संख्या में अनदि'20 से अनदि'21 में 8% की गिरावट दर्ज हुई
- अमजू'21 को छोड़कर 60% से अधिक ऋण 20k-50k टिकट आकार श्रेणी में वितरित किए गए थे
- राजस्थान का एटीएस जुअसि '21 से अनदि'21 में 5% बढ़ गया और अनदि' 20 से अनदि'21 4% बढ़ गया।

# राजस्थान: संविभाग प्रवृत्तियाँ

संविभाग बकाया (`करोड़ में)

| विवरण | दि.' 20 | मा.' 21 | जून' 21 | सि.' 21 | दि.' 21 |
|---|---|---|---|---|---|
| बैंक | 4,222 | 5,346 | 4,768 | 4,844 | 4,765 |
| एसएफ़बी | 1,173 | 1,300 | 1,177 | 1,280 | 1,334 |
| एनबीएफ़सी-एमएफ़आई | 3,261 | 3,771 | 3,389 | 3,860 | 4,163 |
| एनबीएफ़सी | 748 | 665 | 531 | 496 | 534 |
| लाभ-निरपेक्ष एमएफ़आई | 3 | 3 | 2 | 14 | 16 |
| राजस्थान | 9,407 | 11,085 | 9,867 | 10,494 | 10,812 |
| तिमाही-दर-तिमाही संवृद्धि दर % | - | 18% | -11% | 6% | 3% |

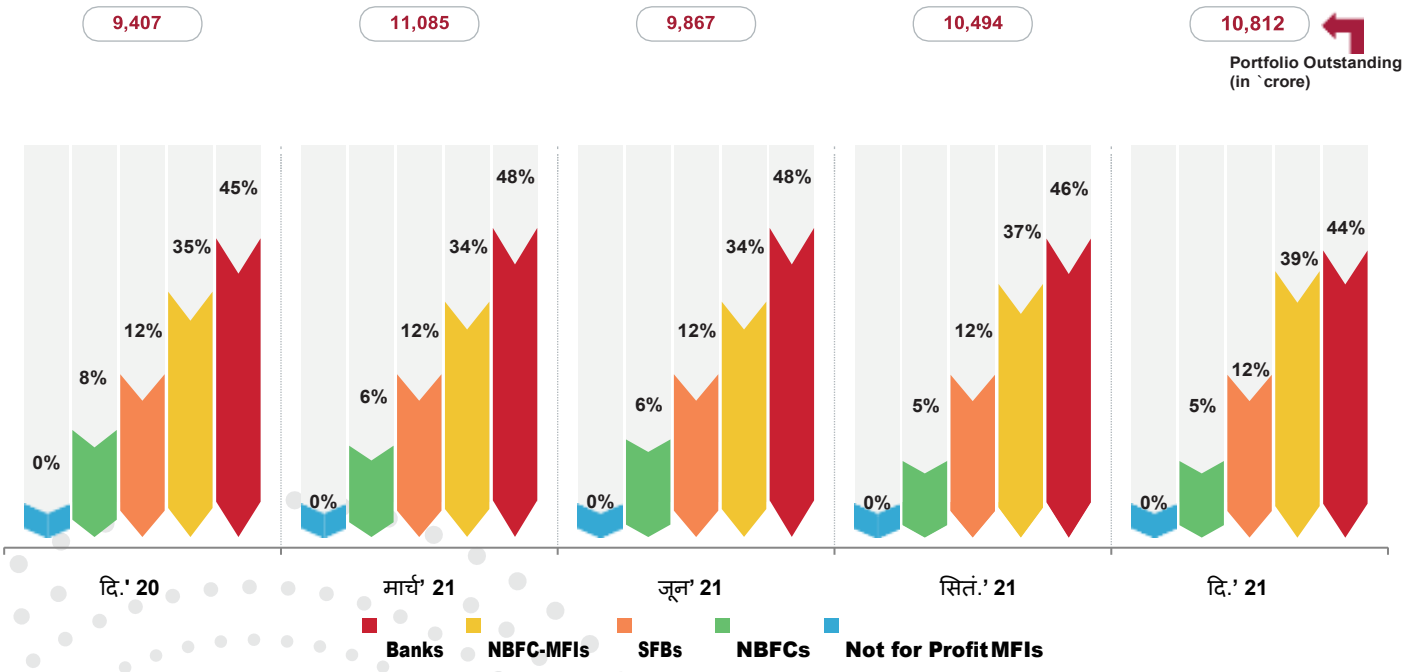


- राजस्थान में बकाया संविभाग में दिसंबर 2020 से दिसंबर 2021 तक साल-दर-साल 15% की वृद्धि देखी गई
- लाभ-निरपेक्ष एमएफआई ने दिसंबर 2020 से दिसंबर 2021 तक 433% की उच्चतम वर्ष-दर-वर्ष संवृद्धि दर दर्ज की है इसके बाद एनबीएफसी-एमएफआई द्वारा समान अवधि के लिए 28% की संवृद्धि दर्ज की गई है
- बकाया संविभाग में 80% से अधिक योगदान बैंकों और एनबीएफसी द्वारा किया जाता है

# राजस्थान : 90+ अपचारिता प्रवृत्तियाँ

| उधारदाता | दिसं.' 20 | मार्च' 21 | जन' 21 | सितं.' | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|
| बैंक | **1.78%** | **1.67%** | **1.52%** | **2.29%** | **4.03%** |
| एसएफ़बी | **2.78%** | **2.86%** | **1.91%** | **3.87%** | **2.75%** |
| एनबीएफ़सी-एमएफ़आई | **2.84%** | **2.04%** | **2.65%** | **1.73%** | **2.25%** |
| एनबीएफ़सी | **1.63%** | **2.28%** | **3.63%** | **4.10%** | **2.21%** |
| लाभनिरपेक्ष एमएफ़आई | **4.25%** | **4.25%** | **1.47%** | **2.26%** | **1.34%** |
| राजस्थान | **2.26%** | **1.98%** | **2.07%** | **2.36%** | **3.09%** |

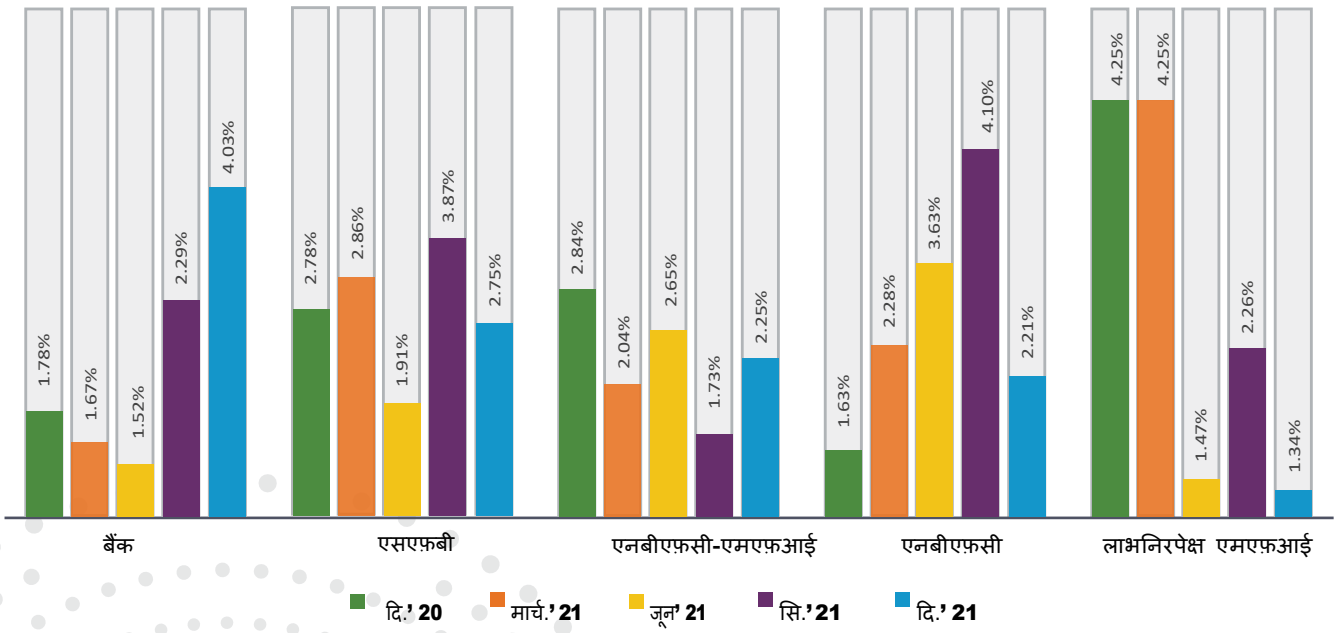




- सितंबर 2021 से दिसंबर 2021 में राजस्थान की कुल 90+ अपचारिता में वृद्धि हुई है
- सितंबर 2021 की तुलना में एसएफबी, एनबीएफसी और लाभ-निरपेक्ष एमएफआई के 90+ अपचारिता में सुधार हुआ है
- यथा दिसंबर 2021 तक बैंकों की 90+ अपचारिता, राजस्थान की कुल 90+ अपचारिता से अधिक है

EQUIFAX®

sidbi

# आकांक्षी जिले

# आकांक्षी जिले - परिदृश्य यथा दिसंबर 2021

- यथा 31 दिसम्बर को आकांक्षी जिलों के लिए 1.33 करोड़ सक्रिय ऋणों के प्रति संविभाग बकाया 31, 918 करोड़ है।
- आकांक्षी जिलों में दिसम्बर 2017 से दिसम्बर 2021 में सक्रिय ग्राहकों का प्रवेश 107% बढ़ गया है
- जनवरी 2021
- से दिसम्बर 2021 के दौरान 35, 343 करोड़ रु. के ऋण संवितरित किए गए
- बैंकों एवं एसएफबी के 30+ एवं 90+ अपचार आकांक्षी जिलों के समग्र 30+ एवं 90+ से उच्चतर हैं

## आकांक्षी जिलों का वृद्धि विवरण

| | | | |
|---|---|---|---|
| **सक्रिय ग्राहक उपस्थिति** ('000) | 4,155 | 8,618 | 107% |
| **संवितरित राशि** (`करोड़) | 14,374 * | 35,343** | 146% |
| **सक्रिय ऋण** ('000) | 6,925 | 13,363 | 93% |
| **संविभाग बकाया** (`करोड़) | 11,175 | 31,918 | 186% |
| 30+ **अपचारिता** | 1.54% | 6.87% | - |
| 90+ **अपचारिता** | 0.75% | 2.70% | - |

संविभाग (`करोड़)

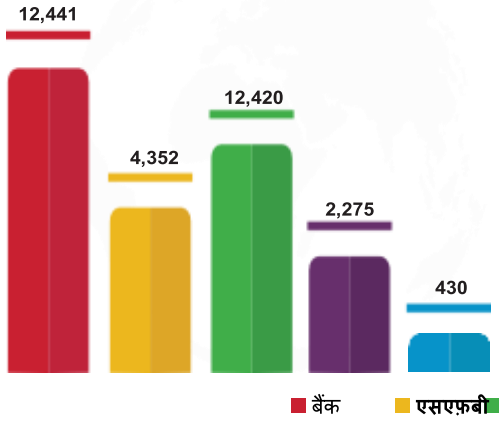


संवितरित राशि (`करोड़) – जन. 21 से दिसं. 21

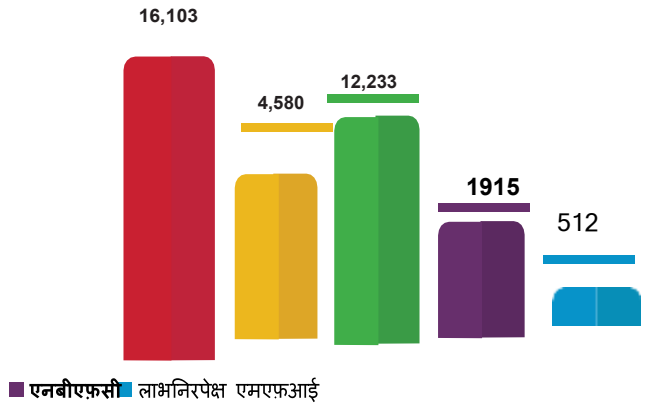


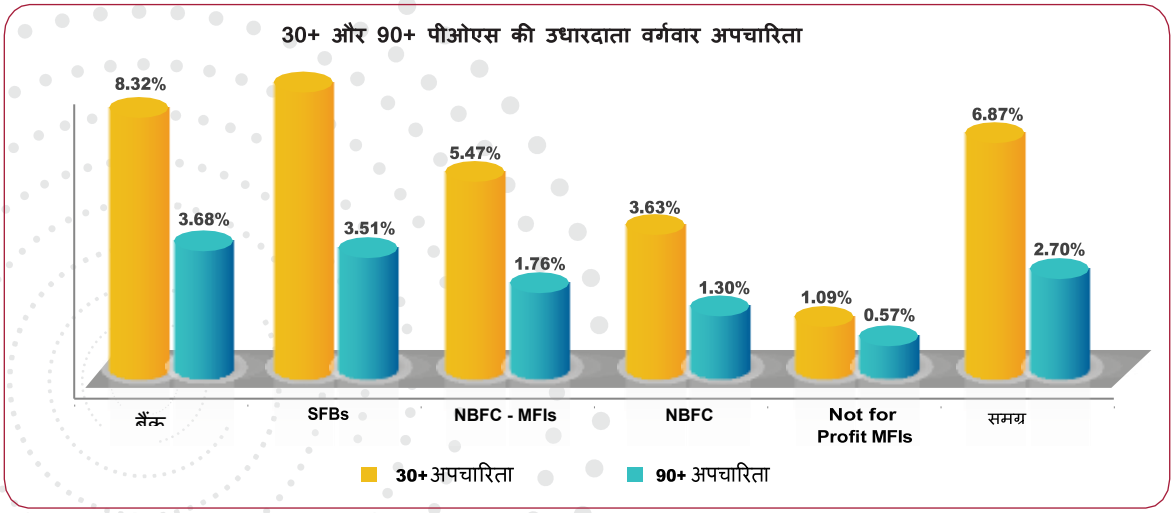


Note: *Disbursement January 2017 to December 2017
**Disbursement January 2021 to December 2021
Delinquencies are calculated basis POS

EQUIFAX®

sidbi

# ग्राहक स्तरीय विश्लेषण

# ग्राहक स्तरीय विश्लेषण
# यथा दिनांक 31 दिसंबर, 2021

**अद्वितीय सक्रिय ग्राहक**
(हजार में)

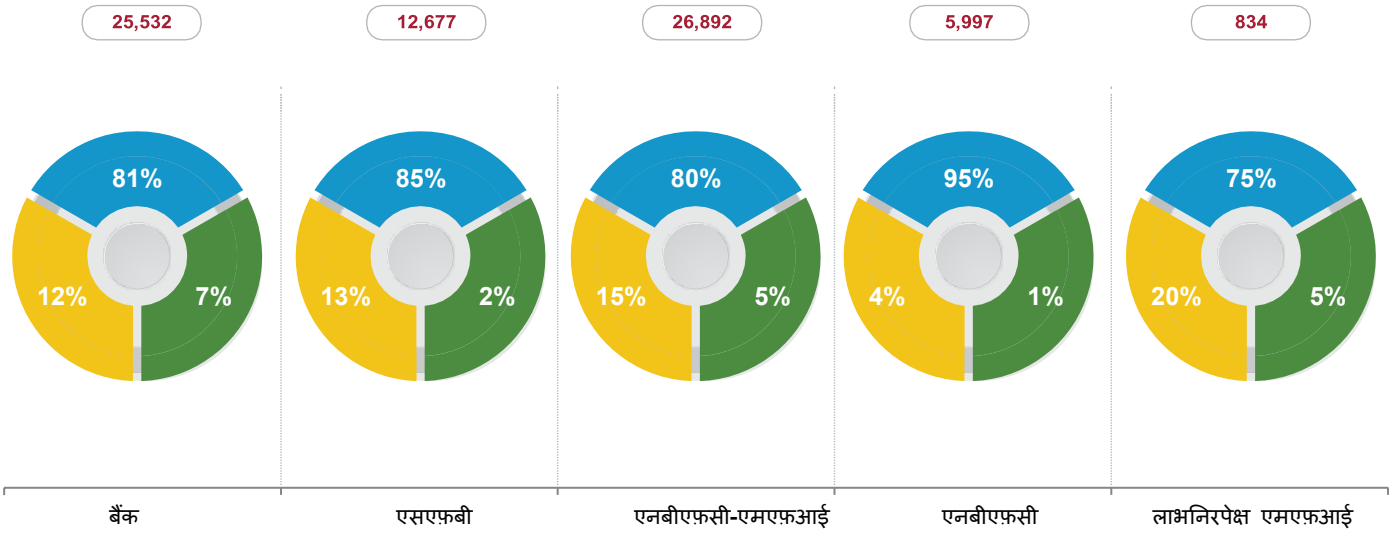


- 1 बकाया ऋण वाले ग्राहकों की संख्या (0-179 DPD)
- 2 बकाया ऋणों वाले ग्राहकों की संख्या Loans (0-179 DPD)
- 3 या अधिक बकाया ऋणों वाले ग्राहकों की संख्या (0-179 DPD)

- 70% से अधिक ग्राहकों का सिर्फ 1 बकाया ऋण है
- लाभ के लिए नहीं एमएफआई के पास 2 बकाया ऋण वाले उच्चतम ग्राहक हैं

## सिडबी के बारे में

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक संसद के एक अधिनियम के तहत वर्ष 1990 में स्थापित किया गया है। सिडबी को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई क्षेत्र) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास के तीन कार्यों को क्रियान्वित करने के लिए प्रमुख वित्तीय संस्थान के रूप में कार्य और समान गतिविधियों में संलग्न विभिन्न संस्थानों के कार्यों का समन्वय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। इन वर्षों में, अपने विभिन्न वित्तीय और विकासात्मक उपायों के माध्यम से, बैंक ने समाज के विभिन्न स्तरों के लोगों के जीवन को निकट से छुआ है, पूरे एमएसएमई वर्णक्रम के उद्यमों को प्रभावित किया है और एमएसएमई पारितंत्र के कई विश्वसनीय संस्थाओं के साथ संलग्नता रखा है।

विज़न 2.0 के तहत, सिडबी ने एमएसएमई क्षेत्र की ज्ञानपरक विसंगतियों के समाधान, एमएसएमई इकाइयों और क्रिसीडेक्स के स्वास्थ्य अनुवीक्षण, एमएसई संवेदनाओं और आकांक्षाओं को मापने, उद्योग की लोकप्रियता, उद्योग क्षेत्रों की और फिनटेक पल्स के एक व्यापक रिपोर्ट के लिए फिनटेक ऋणदात्री समूहों के ऋण आंकड़ों के बारे में अन्तर्दृष्टि के लिए माइक्रोफाइनेंस पल्स के अलावा एमएसएमई पल्स जैसे पहल करके विभिन्न अग्रणी नेतृत्व किए हैं।

## अल्पवित्त क्षेत्र में सिडबी

सिडबी ने अल्पवित्त आंदोलन का समर्थन करके समावेशी वित्त के ध्येय को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। अल्पवित्त के तहत, बैंक ने यथा मार्च 2020 तक 100 से अधिक एमएफआई को संचयी रूप से `19,871 करोड़ के ऋण मंजूर किए हैं। अल्पवित्त इकाइयों को ऋण और ईक्विटी समर्थन के साथ इन संस्थाओं की क्षमता निर्माण समर्थन और अनुपालन मूल्यांकन के साधन आदि के माध्यम से समर्थन से नैगम अभिशासन की संस्कृति को सुव्यस्थित रूप से सुग्राही बनाते हुए पूरक का कार्य कर रहा है। अल्पवित्त उद्योग के कमजोर शुरुआत से पूर्ण उद्योग समूह तक पहुंचाने के लिए हैंडहोल्डिंग के अलावा, हमारी 8 सहयोगी अल्पवित्त संस्थाएं स्माल वित्त बैंक / विश्वव्यापी बैंक में परिवर्तित हो गई हैं। अल्पवित्त ऋण प्रदायगी के तहत परंपरा से हटकर एक पहल यह है कि बाजार दरों से काफी कम ब्याज दरों पर छोटे ऋण सिडबी (साझेदारी व्यवस्था के माध्यम से) से सीधे उपलब्ध कराना है। बैंक द्वारा साझेदारी मॉडल के तहत प्रयास नामक इस पहल के तहत, बाजार दरों की तुलना में कम ब्याज दरों पर पिरामिड के सबसे निचले स्तर के सूक्ष्म उधारकर्ताओं को `0.50 लाख से` 5 लाख के छोटे टिकट के ऋणों का विस्तार किया गया है।

## इक्विफैक्स के बारे में

इक्विफैक्स एक वैश्विक सूचना समाधान कंपनी है जो विश्वसनीय अद्वितीय आंकड़ें, नवोन्मेषी विश्लेषण, प्रौद्योगिकी और उद्योग विशिष्टता का प्रयोग करके ज्ञान को अंतर्दृष्टि में परिवर्तित करके विश्व भर के शक्तिशाली संगठनों और व्यक्तियों को व्यापारगत और व्यक्तिगत अधिक सुविज्ञ निर्णय लेने में मदद करता है।

इक्विफैक्स का मुख्यालय अटलांटा, जार्जिया में है और उत्तरी अमेरिका, मध्य और दक्षिण अमेरिका, यूरोप और एशिया प्रशांत क्षेत्र के 24 देशों में इसका निवेश है या/ और अपना परिचालन करता है। यह स्टैंडर्ड एंड पूअर्स (एस एंड पी) 500® इंडेक्स का सदस्य है और यह EFX चिह्न के तहत इसके सामान्य स्टॉक का कारोबार न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई ) से करता है। दुनिया भर में इक्विफैक्स के 11,000 कर्मचारी हैं। ऋण उद्योग में 120 वर्षों से अधिक की वैश्विक विरासत के साथ, 2010 में, इक्विफैक्स ने भारतीय बाजार में उपस्थिति स्थापित की और भारतीय रिजर्व (आरबीआई) द्वारा इसे सीआईसी के रूप में संचालित करने के लिए लाइसेंस दिया गया था। पिछले 9 वर्षों में, क्रेडिट ब्यूरो के सदस्यों की सख्या बैंकों, एनबीफसी, एमएफ आई और बीमाकर्ताओं सहित 4000+ सदस्यों तक बढ़ गई है। ये सदस्य लाखों भारतीय उपभोक्ताओं की जनसांख्यिकीय और चुकौती संबंधी जानकारी प्रदान करते हैं। 2014 में, इक्विफेक्स ने एक एनालिटिक्स फर्म के अधिग्रहण के माध्यम से भारत में अपने पदछाप को पुन: बढ़ाया। भारत में इक्विफैक्स एनालिटिक्स प्रा. लिमिटेड इक्विफैक्स की पूरी तरह से स्वामित्व वाली एनालिटिक्स इकाई है, जो कारोबार के प्रदर्शन और उपभोक्ताओं के जीवन दोनों को समृद्ध करने वाले अद्वितीय अनुकूलित विश्लेषणात्मक समाधान प्रदान करती है।

अस्वीकरण

माइक्रोफाइनेंस पल्स (रिपोर्ट) इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (इक्विफैक्स) द्वारा तैयार किया गया है। रिपोर्ट का उपयोग और उपयोग करके, उपयोगकर्ता स्वीकार करता है कि इस तरह का उपयोग इस अस्वीकरण के अधीन है। यह रिपोर्ट दिसम्बर 2021 तक इक्विफैक्स के सदस्य अल्पवित्त संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के संकलन पर आधारित है। यद्यपि रिपोर्ट तैयार करने में इक्विफैक्स उचित ध्यान रखता करता है, परंतु अल्पवित्त संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत गलत या अपर्याप्त जानकारी के कारण सटीकता, त्रुटियों और / या चूक के लिए वह जिम्मेदार नहीं होगा। इसके अलावा, इक्विफैक्स किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए रिपोर्ट और / या इसकी उपयुक्तता में सूचना की पर्याप्तता या पूर्णता की गारंटी नहीं देता है और न ही इक्विफैक्स रिपोर्ट के माध्यम से किसी भी प्रवेश या विश्वसनीयता के लिए उत्तरदायी है और इक्विफैक्स स्पष्ट रूप से सभी दायित्वों से इंकार करता है। यह रिपोर्ट किसी भी आवेदन, उत्पाद की अस्वीकृति / या स्वीकृति के लिए सिफारिश नहीं है और न ही इक्विफैक्स द्वारा (i) ऋण देने और नहीं देने के लिए कोई सिफारिश या (ii) संबंधित व्यक्ति के साथ किसी भी वित्तीय संव्यवहार शुरू करने या नहीं करने से संबन्धित है। रिपोर्ट में निहित जानकारी परामर्श नहीं करती है और उपयोगकर्ता को इस रिपोर्ट में निहित जानकारी के आधार पर कोई भी निर्णय लेने से पहले विवेकपूर्ण विचार कर सभी आवश्यक विश्लेषण करना चाहिए। रिपोर्ट का उपयोग ऋण सूचना कंपनियां (विनियमावली) अधिनियम 2005, ऋण सूचना कंपनी विनियमवाली, 2006, ऋण सूचना कंपनियां नियम, 2006 के प्रावधानों के तहत संचालित है। रिपोर्ट का कोई भी हिस्सा बिना पूर्व अनुमोदन के प्रतिलिपिबद्ध, प्रकाशित या परिचालित नहीं किया जाना चाहिए।

## संपर्क विवरण / CONTACT DETAILS


इक्विफैक्स क्रेडिट इंफॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
यूनिट नंबर 931, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नंबर 9,
सॉलिटेयर कॉर्पोरेट पार्क, अंधेरी घाटकोपर लिंक रोड,
अंधेरी (पूर्व), मुंबई - 400 093

टोल फ्री नंबर: 1800 2093247

ecissupport@equifax.com

**Equifax Credit Information Services Private Limited**

**Unit No. 931, 3rd Floor, Building No. 9,**
**Solitaire Corporate Park, Andheri Ghatkopar Link Road,**
**Andheri (East), Mumbai - 400 093**

**Toll Free No.: 1800 2093247**
**ecissupport@equifax.com**

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

स्वावलंबन भवन, प्लॉट नंबर सी-11, 'जी' ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051 महाराष्ट्र

टोल फ्री नंबर: 1800 226753 www.sidbi.in/en

**Small Industries Development Bank of India**

**Swavalamban Bhavan, Plot No. C-11, 'G' Block,**
**Bandra Kurla Complex, Bandra (East),**
**Mumbai - 400 051 Maharashtra**

**Toll Free No.: 1800 226753**
**www.sidbi.in/en**



Copyright © 2022, Equifax Inc., Atlanta, Georgia. All rights reserved. Equifax is a registered trademarks of Equifax Inc.